Tribune

April 4, 2006 www.tribuneindia.com

The Principal, Punjab Jail Training School, Mr Jiwan Garg, presents a trophy to Dr Amar Singh D Nikam from Pune during the concluding day of a two-day seminar on education organised by the Association for Scientific Research in Homeopathy at NIS in Patiala, on Monday.
A Tribune photograph

किडनी फेल, इलाज संभव

एनआईएस में करवाया गया प्रदेश स्तरीय सेमिनार

भास्कर न्यूज

पटियाला, 2 अप्रैल : होम्योपैथिक इलाज पद्धति से किडनी फेल मरीजों का इलाज सफलता से किया जा सकता है और एड्स पीड़ितों की सेहत में सुधार कर उनकी आयु 10 से 12 साल तक बढ़ाई जा सकती है।

यह खुलासा रविवार को एनआईएस में होम्योपैथिक एसोसिएशन द्वारा होम्योपैथिक इलाज पद्धति के बारे में करवाए गए सेमीनार में मुख्य भाषण देने पहुंचे डॉ. आर.डी. निक्कम ने किया। डॉ. निक्कम पूना में होम्योपैथिक अस्पताल सफलता से चला रहे हैं। डॉ. निक्कम ने कहा कि होम्योपैथिक डॉक्टरों द्वारा इस पद्धति बारे लोगों को जानकारी उपलब्ध न करवाने के चलते ही भारी संख्या में लोग इस पद्धति का लाभ लेने से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने सभी होम्योपैथिक डाक्टरों से आह्वान किया कि वे ग्रास रूट स्तर पर होम्योपैथी का प्रचार कर देशवासियों को इसका लाभ पहुंचाएं।

डॉ. निक्कम कहा कि मरीज के मानसिक हालात व सेहत की तासीर को जानने के बाद दवाई का सही चुनाव कर होम्योपैथी के माध्यम से सफल इलाज हो सकता है। होम्योपैथी का चूंकि कोई साइड इफेक्ट नहीं है, इस कारण यह पद्धति अधिक सार्थक है। डॉ. निक्कम ने सेमीनार के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से किडनी फेल मरीजों के सफल इलाज के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति दूध, मिठाई व अन्य चिकनाई वाली चीजों का अधिक इस्तेमाल करता है, तभी उसे ब्लड प्रेशर व दिल की बीमारियां लगती हैं।

इस मौके पर डॉ. अमरजीत सिंह मान ने कहा कि गर्म तसीर वाले मरीजों को गर्म तसीर वाली, जबकि ठंडी तसीर के लोगों को ठंडी तसीर वाली दवाएं देनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मरीजों की मानसिक स्थिति देखने के बाद दी जाने वाली दवाएं ज्यादा असरदायक होती हैं। होम्योपैथिक एसोसिएशन के प्रधान डॉ. अवतार सिंह ने बताया कि सेमीनार में 100 से अधिक डेलीगेट्स ने शमूलियत की। उन्होंने कहा कि देश के कई नामचीन होम्योपैथिक डॉक्टरों ने अपने रिसर्च पेपर पढ़े।